पत्र सूचना शाखा
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

राज्यपाल ने काव्य संग्रह 'समर शेष है' का लोकार्पण किया

माँ एवं मातृभूमि का स्मरण वास्तव में प्रशंसनीय है - राज्यपाल

लखनऊः 30 जून, 2017

उत्तर प्रदेश के राज्यपाल श्री राम नाईक ने आज राजभवन में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के कुलपति डा0 राजेन्द्र प्रसाद के काव्य संग्रह 'समर शेष है' का लोकार्पण किया। डा0 राजेन्द्र प्रसाद रक्षा विशेषज्ञ हैं तथा पूर्व में इनकी 16 पुस्तकें एवं 100 से अधिक शोध पत्र प्रकाशित हो चुके हैं। लोकार्पण समारोह में राज्यपाल की प्रमुख सचिव सुश्री जूथिका पाटणकर, अनेक विश्वविद्यालय के कुलपतिगण एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

राज्यपाल ने लोकार्पण के उपरान्त अपने विचार व्यक्त करते हुये कहा कि वे साहित्यकार तो नहीं हैं पर अच्छा साहित्य पढ़ना अच्छा लगता है। मुख्यतः वे वाणिज्य के छात्र रहे हैं। व्यस्तता के कारण समय निकालना मुश्किल होता है। लेखन समय का सदुपयोग सिखाता है। कहानी लेखन, कविता या अन्य कोई विधा हो वास्तव में मुश्किल कार्य है। मनोरंजन के अन्य साधन बढ़े हैं जिसके कारण पढ़ने की प्रवृत्ति में कमी आयी है। उन्होंने कहा कि मुफ्त में मिली किताब कम पढ़ी जाती है इसलिये किताबों को खरीद कर पढ़ने की आदत डालें।

श्री नाईक ने कहा कि डा0 राजेन्द्र प्रसाद की कविता मातृभूमि और जन्म देने वाली माँ के इर्द-गिर्द घूमती है। माँ एवं मातृभूमि का स्मरण वास्तव में प्रशंसनीय है। जन्म देने वाली माँ बच्चे को पाल-पोषकर बड़ा करती है। मातृभूमि स्वर्ग जैसी होती है। डा0 राजेन्द्र प्रसाद का काव्य संग्रह 'समर शेष है' उनकी पहली साहित्यिक पुस्तक है। पुस्तक लिखने में किसी प्रकार के परिवार नियोजन की आवश्यकता नहीं होती है। उन्होंने 'चरैवेति! चरैवेति!!' के श्लोक को उद्धृत करते हुये कहा कि जीवन में सफलता के लिये सदैव चलते रहना चाहिये।

राज्यपाल ने कहा कि राजभवन में आयोजित आज का कार्यक्रम इस दृष्टिकोण से विशेष है कि यह पुस्तक विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा लिखी गयी है। उन्होंने बताया कि 8 अप्रैल, 2017 को राजभवन के विधि सलाहकार की पुस्तक 'गवर्नर्स गाइड' का लोकार्पण हुआ। 27 मई, 2017 को राज्य सूचना आयोग की पुस्तिका 'उत्तर प्रदेश सूचना आयोग के बढ़ते कदम', 3 जून, 2017 को डा0 पदमेश गुप्ता, जो लंदन में रहते हैं कि काव्य पुस्तक 'प्रवासी पुत्र', 9 जून, 2017 को डा0 प्रीति कबीर की पुस्तक 'सलीब पर टंगी हुई औरत' तथा 28 जून, 2017 को 'पंडित दीनदयाल सम्पूर्ण वांग्मय' की प्रथम प्रति भेंट का कार्यक्रम आयोजित किया गया। उन्होंने कहा कि इतनी पुस्तकों का लोकार्पण इतने कम अंतराल में शायद ही किसी सांस्कृतिक संस्थान द्वारा किया गया होगा।

डा0 राजेन्द्र प्रसाद कुलपति इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय ने कहा कि यह उनका प्रथम काव्य संग्रह है जिसकी प्रेरणा त्रिवेणी स्थित इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय से मिली। उन्होंने बताया कि उनकी सभी कवितायें आशा का संदेश देती हैं तथा उनमें उदात्त जीवन मूल्यों को सम्मिलित किया गया है। उनकी पुस्तक वास्तव में लोक कल्याण की ओर प्रेरित करने का छोटा सा प्रयास है। उन्होंने कहा कि यह पुस्तक माता और मातृभूमि की प्रेरणा से लिखी गयी है जिनके ऋण को कभी चुकता नहीं किया जा सकता।

कार्यक्रम में इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय के वित्त अधिकारी श्री डी0पी0 त्रिपाठी ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

अंजुम/ललित/राजभवन (244/35)

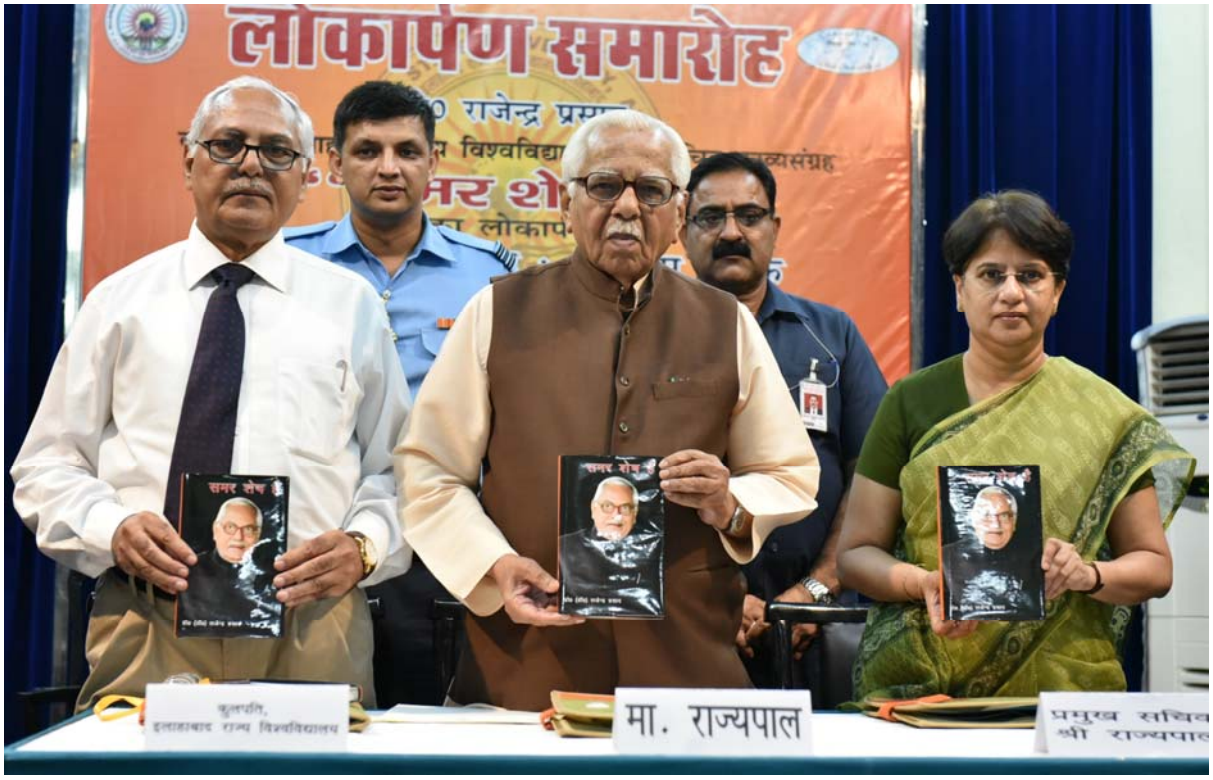
लोकार्पण समारोह
समर शेष
कुलपति,
इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय
मा. राज्यपाल

लोकार्पण समारोह
प्रो० राजेन्द्र प्रसाद
कुलपति, इलाहाबाद राज्य विश्वविद्यालय द्वारा रचित काव्यसंग्रह
''समर शेष है''
का लोकार्पण
अध्यक्षीय उद्बोधन : श्री राम नाईक
माननीय राज्यपाल, उत्तर प्रदेश
समारोह स्थल : राजभवन, लखनऊ
30 जून, 2017